

**'भाषा विश्वविद्यालय में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर
नुक्कड़ नाटक के आयोजन के सम्बन्ध में रिपोर्ट।'**

माननीय राज्यपाल महोदया उत्तर प्रदेश, उ० प्र० सरकार के निर्देशानुसार 14 अगस्त को खाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में 'हर घर तिरंगा अभियान' के अंतर्गत 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के अवसर पर विधि अध्ययन संकाय द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विधि परास्नातक छात्र अमन कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में विधि संकाय के छात्रों आविष्कार, स्नेहा, तन्मय, हिमांशु, यशस्विनी, रमा, रोहिणी, आमिर, ऐश्वर्य, जुबैर ने अभिनय करते हुए 78 वर्ष पहले 14 अगस्त 1947 की मध्य रात्रि देश के इतिहास में घटित घटना का भावुक कर देने वाला अभिनय वर्णन किया। नुक्कड़ नाटक की टीम ने विभाजन के दौरान अपनी माटी से अलग हुए किरदारों के अभिनय के माध्यम से राष्ट्रीय प्रेम के भाव से राष्ट्रीय एकता और समरसता का संदेश दिया। नुक्कड़ नाटक टीम के समन्वयक सहायक आचार्य अंशुल पांडेय, डॉ प्रशांत वरुण और जैनब इफितखार खान रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा, कुलानुशासक डॉ नीरज शुक्ला विभाग अध्यक्ष विधि संकाय डॉ पीयूष कुमार त्रिवेदी जी डॉ दीक्षा मिश्रा, डॉ कृष्ण मुरारी डॉ श्वेता त्रिवेदी श्री आशीष शाही, तान्या सागर, भानु प्रताप सिंह, रविकेश मौर्य तथा विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकगण व अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संलग्नक: कार्यक्रम की प्रेस विज्ञप्ति व अन्य छायाचित्र

Anshul Pandey
श्री अंशुल पांडेय, सहायक आचार्य
कार्यक्रम समन्वयक

Malood Alam
डॉ पीयूष कुमार त्रिवेदी
विभागाध्यक्ष

Malood Alam
प्रो. मसउद आलम
संकायाध्यक्ष



ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ
Khwaja Moinuddin Chishti Language University, Lucknow



“विभाजन विभीषिका समृति दिवस”

श्रीमती आनंदीबेन पटेल
मा. कुलाधिपति
एवं राज्यपाल, उ.प्र.

नृपकड़ नाटक प्रस्तुति

दिनांक - 14 अगस्त 2025



प्रो. अजय तनेजा
मा. कुलपति

समय - प्रातः 11:00 बजे

स्थान - ओपन गिम के समक्ष, विश्वविद्यालय परिसर

संकायाध्यक्ष
प्रो. मसउद आलम

विभागाध्यक्ष
डॉ. पीयूष कुमार त्रिवेदी

कार्यक्रम समन्वयक
डॉ. प्रशांत कुमार वरुण
श्री अंशुल पाण्डेय
श्रीमती जैनब इफितखार खान

आयोजक :
विधि अध्ययन संकाय
ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ
आइए, हम सब मिलकर याद करें 1947 की उस त्रासदी को,
जिसने लाखों परिवारों को उजाड़ा,
और हमें स्वतंत्रता की असली कीमत बताई।

Anshul Pandey
श्री अंशुल पाण्डेय, सहायक आचार्य
कार्यक्रम समन्वयक

Malood Alam
डॉ. पीयूष कुमार त्रिवेदी
विभागाध्यक्ष

प्रो. मसउद आलम
संकायाध्यक्ष

भाषा विश्वविद्यालय में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर नुकड़ नाटक का आयोजन

केपीपीएन संवाददाता
लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन
चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में
14 अगस्त को विभाजन
विभीषिका स्मृति दिवस के
अवसर पर एक विशेष नुकड़
नाटक का आयोजन किया गया।
यह आयोजन विधि अध्ययन
संकाय द्वारा घर तिरंगाष
अभियान के अंतर्गत किया गया,
जिसमें विधि संकाय के
छात्र-छात्राओं ने विभाजन की
त्रासदी को मंच पर जीवंत कर
दिया। नुकड़ नाटक का नेतृत्व
विधि परास्नातक छात्र अमन
कुमार त्रिपाठी ने किया, जिसमें
आविष्कार, स्नेहा, तन्मय, हिमांशु
यशस्विनी, रमा, रोहिणी, आमिर,
ऐश्वर्य और जुबैर जैसे छात्रों ने
अपने अभिनय से विभाजन की
पीड़ा को दर्शकों तक पहुँचाया।
14 अगस्त 1947 की मध्य रात्रि
की ऐतिहासिक घटना, जब देश
स्वतंत्रता की ओर बढ़ा लेकिन
साथ ही विभाजन की पीड़ा से

भी गुजरा, को भावनात्मक और
सजीव रूप में प्रस्तुत किया
गया। नाटक में उन किरदारों
को मंचित किया गया, जिन्हें
देश के विभाजन के दौरान अपनी
जन्मभूमि से बिछड़ना पड़ा था।
कलाकारों ने उनके दर्द, संघर्ष
और विस्थापन के अनुभवों को
गहराई से प्रस्तुत करते हुए
राष्ट्रीय एकता, अखंडता और
समरसता का संदेश दिया। यह
प्रस्तुति न केवल दर्शकों को
भावुक कर गई, बल्कि उन्हें
इतिहास की उस विभीषिका से
जोड़ने में भी सफल रही, जिसे
अक्सर भुला दिया जाता
है। नुकड़ नाटक की टीम का
समन्वय सहायक आचार्य अंशुल
पांडेय, डॉ. प्रशांत वरुण और
जैनब इपिटेक्षार खान ने किया।
इस अवसर पर विश्वविद्यालय
के कुलपति प्रो. अजय तनेजा,
कुलानुशासक डॉ. नीरज
शुक्ला, विधि संकाय के
विभागाध्यक्ष डॉ. पीयूष कुमार



त्रिवेदी, डॉ. दीक्षा मिश्रा, डॉ
अंशुल पांडेय, डॉ. कृष्ण मुरारी,
डॉ. श्वेता त्रिवेदी, श्री आशीष
शाही, तान्या सागर, भानु प्रताप
सिंह, रविकेश मौर्य सहित
विश्वविद्यालय के अन्य
शिक्षकगण और बड़ी संख्या में
विद्यार्थी उपस्थित रहे। यह
आयोजन न केवल एक सांस्कृ
तिक प्रस्तुति था, बल्कि देश की
स्वतंत्रता की कीमत और
विभाजन की पीड़ा को याद करने
का एक सशक्त माध्यम भी रहा।
विश्वविद्यालय ने इस अवसर
पर राष्ट्रीय चेतना और
ऐतिहासिक स्मृति को जीवित
रखने का सफल प्रयास किया



श्री अंशुल पांडेय, सहायक आचार्य
कार्यक्रम समन्वयक

डॉ. पीयूष कुमार त्रिवेदी
विभागाध्यक्ष

Malood Alam
प्रो. मसउद आलम
संकायाध्यक्ष



Anshul Pandey
श्री अंशुल पांडेय, सहायक आचार्य
कार्यक्रम समन्वयक

l
डॉ पीयूष कुमार त्रिवेदी
विभागाध्यक्ष

Masood Alam
प्रो० मसूद आलम
संकायाध्यक्ष

भाषा विश्वविद्यालय में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर नुकङ्ग नाटक का हुआ आयोजन

बीईपी

आज दिनांक 14 अगस्त को ख्याला मुझनुदीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में हर घर निरंगा अभियान के अंतर्गत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर विधि अध्ययन संकाय द्वारा नुकङ्ग नाटक का आयोजन किया गया। इस नुकङ्ग नाटक के माध्यम से विधि परास्नातक छात्र अमन कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में विधि संकाय के छात्रों आविष्कार, स्नेह, तम्य, हिमाणु, यशस्विनी, रमा, रोहिणी, आमिर, ऐश्वर्य, जुवैर ने अभिनय करते हुए 78 वर्ष पहले 14 अगस्त 1947 की मध्य



रात्रि देश के इतिहास में घटित घटना का भावुक कर देने वाला अभिनय वर्णन किया। नुकङ्ग नाटक की टीम ने विभाजन के दौरान अपनी माटी से अलग हुए किरदारों के अभिनय के माध्यम से राष्ट्रीय प्रेम के भाव से राष्ट्रीय एकता और समरसता का संदेश दिया। नुकङ्ग नाटक टीम के समन्वयक सहायक आचार्य अंशुल पांडेय, डॉ प्रशांत वरुण और जैनब इफिलखार खात्र रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा, कुलानुशासक डॉ नीरज शुक्ला विभाग अध्यक्ष विधि संकाय डॉ पीयूष कुमार त्रिवेदी जी डॉ दीक्षा मिश्रा, डॉ कृष्ण मुगरी डॉ श्वेता त्रिवेदी श्री आशीष शाही, ताना सागर, भानु प्रताप सिंह, रविकेश मीर्य तथा विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकगण व अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे।



Anshul Pandey
श्री अंशुल पांडेय, सहायक आचार्य
कार्यक्रम समन्वयक

Pardeep Kumar
डॉ पीयूष कुमार त्रिवेदी
विभागाध्यक्ष

Masood Alam
प्रो० मसूद आलम
संकायाध्यक्ष